संजीव®

21 सितंबर, 2022 को जारी
पाठ्यक्रम के अनुसार

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित

राजस्थान समान पात्रता परीक्षा

CET - 2022

स्नातक स्तर

राजस्थान सामान्य ज्ञान

Part - A : राजस्थान का राष्ट्रीय आंदोलन, इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत

Part - B : राजस्थान का भूगोल

Part - C : राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

Part - D : राजस्थान की अर्थव्यवस्था

Part - E : राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

मार्गदर्शक एवं लेखक

मनोहर सिंह कोटड़ा
R.A.S. - 2012 एवं R.A.S. - 2013 में चयनित

दीपा रत्नू
विशेषज्ञ - राजस्थान सामान्य ज्ञान

विशेष आभार

डॉ. दीपेश कुमार सैनी, कृष्ण कुमार वशिष्ट, राजेश मिश्रा, राजकुमार साधवानी, अर्जुन देवासी, पवन चांदराना, मनोज शर्मा, योगेश मित्तल, संजय सिंह, सोमनाथ, महेन्द्र सिंह राठौड़, दिग्वजय सिंह, लक्षिता कंवर, मुकेश सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट,
  चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © दीपा रत्नू

- **संस्करण : 2022-23**

- **मूल्य : ₹ 880.00**

- *लेजर टाइपसैटिंग :*
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department),
  जयपुर

- *मुद्रक :*
  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

—समर्पण—

भक्तकवि
ठाकुर नैनदान वणसूर
(1926-1997 ई.)

भक्तकवि ठा. नैनदान वणसूर का जन्म 1926 ई. में तत्कालीन मारवाड़ रियासत के जालौर परगने के कोटड़ा ठिकाणे (तहसील—आहोर) में हुआ। यह गाँव उनके पूर्वज मोतीसरी ठिकाणे के ठा. लक्ष्मीदान वणसूर को मारवाड़ के महाराजा गजसिंह (1619-1638 ई.) के शासनकाल में दक्षिण अभियान के तहत अहमदनगर की लड़ाई में सेना के अग्रिम दस्ते (हरावळ) में अद्भुत शौर्य एवं वीरता प्रदर्शित करने के उपरान्त जागीर में मिला।

आप भारतीय इतिहास, धर्मशास्त्रों (विशेषकर रामचरित मानस), राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं लोक साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान थे। 20वीं सदी के राजस्थानी डिंगल कवियों में आपका विशिष्ट स्थान है। आपकी भक्तिपरक रचनाओं के प्रमुख विषय लोक देवियाँ, लोकसंत, सनातन धर्म एवं नाथ सम्प्रदाय रहे हैं। जालौर स्थित सिरे मंदिर के पूज्य शांतिनाथजी महाराज (1939-2012 ई.) के प्रति आपकी विशेष आस्था रही है। पूज्य महाराजजी भी आपका बहुत आदर एवं सम्मान करते थे। आपकी प्रमुख रचनाएँ करणाइष्टक, नाथ-स्तुति, जगन रो गीत, राजाराम वंदन इत्यादि हैं।

- इस पुस्तक में प्रामाणिक स्रोतों से विषय सामग्री का संकलन किया गया है, साथ ही इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
  email:sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके–इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से लेखक एवं प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं। ध्यान रखें कि आप उक्त शर्तें मानते हुए ही यह पुस्तक खरीद रहे हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

प्राक्कथन

प्रिय प्रतियोगी परीक्षार्थियों,

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा **प्रथम बार** आयोजित की जाने वाली **'राजस्थान समान पात्रता परीक्षा - स्नातक स्तर'** (CET : Common Eligibility Test - Graduation Level) - **2022-23** के लिए सभी अभ्यर्थियों को अग्रिम शुभकामनाएँ।

इस परीक्षा का आयोजन **राजस्थान सरकार** के विभिन्न **विभागों** में **प्लाटून कमांडर** (होम गार्ड), **जिलेदार, पटवारी** (जल संसाधन विभाग), **कनिष्ठ लेखाकार** (कोष एवं लेखा विभाग), **तहसील राजस्व लेखाकार** (राजस्व विभाग), **महिला पर्यवेक्षक** (महिला अधिकारिता विभाग), **पर्यवेक्षक** (समेकित बाल विकास सेवाएँ), **उप-जेलर** (कारागार विभाग) एवं **छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-II** (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) की भर्ती के लिए **पात्रता या प्रारंभिक परीक्षा** के रूप में किया जा रहा है।

प्रस्तुत पुस्तक में **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर** द्वारा दिनांक **21 सितंबर,** 2022 को जारी उक्त परीक्षा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित **'राजस्थान सामान्य ज्ञान'** के अन्तर्गत **राष्ट्रीय आंदोलन, इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा, विरासत, भूगोल, राजनीतिक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी** (राजस्थान के विशेष संदर्भ में) विषयों के समस्त अध्यायों की **प्रामाणिक एवं अद्यतन (Updated) विषय सामग्री** क्रमवार दी गयी है।

प्रस्तुत पुस्तक में **बिंदुवार विषय सामग्री** एवं **खण्डवार महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरों** का समावेश किया गया है। इस हेतु विषयवस्तु का संकलन **राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों के वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2021-22, राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2021-22, राजस्थान के बजट 2022-23, राजस्थान के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में प्रचलित मानक पुस्तकों, भारत सरकार द्वारा जारी विविध प्रतिवेदनों, विभिन्न विभागों की आधिकारिक वेबसाइट** इत्यादि से प्राप्त करके **सरल, सुगम एवं सारगर्भित भाषा** में लिखकर तैयार किया गया है।

इस पुस्तक को **पूर्णतः पाठ्यक्रमानुसार** तैयार करने के लिए राजस्थान के ख्यातनाम लेखक **मनोहर सिंह कोटड़ा** एवं संजीव प्रकाशन, जयपुर के प्रबंध निदेशक **डॉ. दीपेश कुमार सैनी** एवं उनकी पूरी टीम के हम विशेष रूप से आभारी हैं।

सुधी पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

— संकलनकर्ता एवं संपादन टीम

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
Part A :	**राष्ट्रीय आंदोलन में राजस्थान, राजस्थान का इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत**	
1.	1857 की क्रान्ति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति व किसान आंदोलन	**7 -14**
2.	राजस्थान में राजनीतिक जनजागरण एवं प्रजामण्डल आंदोलन	**15 - 23**
3.	राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएं : कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल, बैराठ इत्यादि	**24 - 36**
4.	राजस्थान के इतिहास की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं : प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम	**37 - 82**
5.	राजस्थान में स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएँ - किले एवं स्मारक	**83 - 122**
6.	राजस्थान की कलाएँ : चित्रकलाएं और हस्तशिल्प	**123 - 142**
7.	राजस्थानी साहित्य की महत्त्वपूर्ण कृतियाँ एवं राजस्थान की क्षेत्रीय बोलियाँ	**143 - 161**
8.	राजस्थान में मेले, त्योहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य	**162 - 187**
9.	राजस्थानी संस्कृति, परम्परा एवं विरासत	**188 - 199**
10.	राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, संत एवं लोक देवता	**200 - 227**
11.	राजस्थान के महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल	**228 - 245**
12.	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	**246 - 263**
13.	राजस्थान का एकीकरण	**264 - 265**
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	**266 - 299**
Part B :	**राजस्थान का भूगोल**	
1.	राजस्थान का सामान्य परिचय, भूगर्भिक संरचना एवं भू-आकृतिक प्रदेश	**300 - 325**
2.	राजस्थान की जलवायु दशाएं, मानसून तंत्र एवं जलवायु प्रदेश	**326 - 330**

3.	राजस्थान का अपवाह तंत्र, झीलें, सागर, बांध एवं जल संरक्षण तकनीकें	331 - 348
4.	राजस्थान में प्राकृतिक वनस्पति (वन-संपदा)	349 - 355
5.	राजस्थान में वन्य जीव-जन्तु एवं अभयारण्य	356 - 362
6.	राजस्थान की मृदाएं (मिट्टियाँ)	363 - 365
7.	राजस्थान में रबी एवं खरीफ की प्रमुख फसलें	366 - 380
8.	राजस्थान में जनसंख्या-वृद्धि, घनत्व, साक्षरता एवं लिंगानुपात	381 - 392
9.	राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ	393 - 410
10.	राजस्थान में धात्विक एवं अधात्विक खनिज पदार्थ	411 - 419
11.	राजस्थान के ऊर्जा संसाधन : परम्परागत एवं गैर-परम्परागत	420 - 426
12.	राजस्थान के पर्यटन स्थल	427 - 452
13.	राजस्थान में यातायात के साधन : राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल एवं वायुयान	453 - 475
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	475 - 498

Part C : राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

1.	राजस्थान में स्वायत्त शासन एवं पंचायतीराज	499 - 509
2.	राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था : राज्यपाल, राज्य कार्यपालिका, मुख्यमंत्री, राज्य विधानसभा, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं लोकायुक्त	510 - 533
3.	जिला प्रशासन	534 - 539
4.	प्रमुख राज्यस्तरीय आयोग : राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग एवं राज्य सूचना आयोग	540 - 556
★	महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर	557 - 562

Part D : राजस्थान की अर्थव्यवस्था

★ राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें - इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक B-7 देखें।

★ राजस्थान में कृषि आधारित उद्योग – इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक D-2 देखें।

1. राजस्थान में वृहद सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएँ, इंदिरा गांधी नहर परियोजना **563 - 575**

★ राजस्थान में बंजड़ (बंजर) भूमि एवं सूखा क्षेत्र विकास परियोजनाएँ इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक D-4 देखें।

2. राजस्थान में उद्योगों का विकास व उनका स्थान, कृषि आधारित उद्योग, खनिज आधारित उद्योग, लघु कुटीर एवं ग्रामोद्योग, राजस्थान की निर्यात सामग्री **576 - 603**

★ राजस्थानी हस्तकला – इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक A-6 देखें।

3. गरीबी एवं बेराजगारी – अवधारणा, प्रकार, कारण एवं निदान **604 - 607**

4. राजस्थान सरकार की वर्तमान फ्लेगशिप योजनाएं, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान, विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) **608 - 632**

★ राजस्थान में औद्यागिक विकास हेतु संस्थाएं – इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक D-2 देखें।

5. राजस्थान में सहकारी आंदोलन **633 - 637**

★ राजस्थान में लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थाएँ – इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक D-2 देखें।

★ भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के अनुरूप पंचायती राज संस्थाओं की ग्रामीण विकास में भूमिका – इसी पुस्तक का अध्याय क्रमांक C-1 देखें।

6. राजस्थान की आर्थिक समीक्षा 2021–22 एवं राजस्थान का बजट 2022–23 **638 - 685**

★ महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर **686 - 696**

Part E : राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

1. कृषि–विज्ञान, उद्यान–विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन राजस्थान के विशेष संदर्भ में **697 - 714**

2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास राजस्थान के विशेष संदर्भ में **715 - 718**

★ महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर **719 - 720**

Part - A : राष्ट्रीय आंदोलन में राजस्थान, इतिहास, कला, सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और विरासत

1

1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति व किसान आंदोलन

1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान

- भारत पर अंग्रेजों के आधिपत्य के समय से ही प्रताड़ित शासक वर्ग, असंतुष्ट सैनिक और शोषण से पीड़ित आम जनता के मन में विद्रोह के बीज पनपने लगे थे, जो 1857 की क्रांति के रूप में प्रस्फुटित हुए। **1848 ई.** में तत्कालीन **गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी द्वारा गोद निषेध नीति (राज्य हड़प नीति)** ने आग में घी का काम किया।
- अंग्रेज और सामंत वर्ग दोनों के शोषण से पीड़ित आम जन तो मुक्ति के लिए छटपटा रहा था। अंततः चर्बी वाले कारतूसों ने तो क्रांति को समय से पूर्व विस्फोटित करने के लिए सैनिकों को मजबूर कर दिया। इस क्रांति के मुख्य कारण निम्नलिखित थे
- **शासकों के आपसी झगड़े**
  - **18वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में** मुगलों की केन्द्रीय सत्ता की कमजोरी के कारण प्रत्येक राजपूत शासक एक-दूसरे का राज्य हड़पने की कोशिश करने लगा, फलस्वरूप आपसी झगड़े उत्पन्न हुए।
  - इनमें जोधपुर **नरेश अभयसिंह** का बीकानेर पर आक्रमण एवं जयपुर के सवाई जयसिंह द्वारा बूँदी पर आक्रमण प्रमुख हैं।
- **मराठों का दखल**
  - जयपुर-बूँदी संघर्ष में, बूँदी के पदच्युत राजा बुद्धसिंह की रानी ने होल्कर को जयपुर के विरुद्ध अपनी सहायता के लिए आमंत्रित किया। इसके साथ ही यह '**मराठों का राजस्थान में प्रथम दखल**' था।
  - **ईश्वरी सिंह** के विरुद्ध जयपुर उत्तराधिकार युद्ध में माधोसिंह ने एवं जोधपुर में अभयसिंह के पुत्र रामसिंह ने अपने काका बख्तसिंह व चचेरे भाई विजयसिंह के विरुद्ध मराठों से सैनिक सहायता प्राप्त की।
- **बिगड़ती आर्थिक स्थिति**
  - मराठों द्वारा राजपूतों से धन वसूलने के फलस्वरूप राजस्थान में राजाओं की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी।
- **शासकों व सामन्तों के आपसी झगड़े**
  - मुगलकाल के दौरान राजा अपने सामन्तों को मुगल सत्ता की शक्ति से नियंत्रित करते थे किन्तु मुगल सत्ता की कमजोरी के बाद एवं मराठों के दखल के फलस्वरूप सामन्त राजाओं के विरुद्ध उठ खड़े हुए।
  - 1794 ई. में जोधपुर के शासक भीमसिंह व पोकरण के सामंत सवाईसिंह के बीच तनाव एवं जयपुर नरेश एवं शेखावत सामन्तों के मध्य विवाद में जार्ज टॉमस द्वारा सैनिक हस्तक्षेप करना।
- ऐसी बिगड़ती स्थिति में शासकों के मन में अपने सामंतों के प्रति कोई प्रेम नहीं रहा। फलस्वरूप अंग्रेजों के साथ अपने राज्य की सुरक्षा हेतु संधियों के प्रयास शुरू हुए।

राजस्थान के शासकों व ब्रिटिश सरकार के मध्य हुई संधियाँ

रियासत	तत्कालीन शासक	संधि की दिनांक एवं वर्ष
करौली	हरबक्षपाल सिंह	15 नवम्बर, **1817** (सर्वप्रथम)
टोंक	नवाब अमीर खाँ	17 नवम्बर, **1817**
कोटा	उम्मेद सिंह	26 दिसम्बर, **1817**
जोधपुर	मानसिंह	06 जनवरी, **1818**
उदयपुर	भीमसिंह	13 जनवरी, **1818**
बूँदी	विष्णु सिंह	10 फरवरी, **1818**
बीकानेर	सूरत सिंह	21 मार्च, **1818**
किशनगढ़	कल्याण सिंह	07 अप्रैल, **1818**
जयपुर	जगतसिंह	15 अप्रैल, **1818**
जैसलमेर	मूलराज	02 जनवरी, **1819**
सिरोही	शिवसिंह	11 सितम्बर, 1823 (उपर्युक्त में सबसे अन्त में)
झालावाड़	मदनसिंह झाला	**1838 ई.** (सबसे अन्त में)

क्रांति का तत्कालीन कारण–1857 में अंग्रेजों ने भारतीय सैनिकों को एनफील्ड राइफल सौंपी, जिसकी कारतूस को दाँतों से तोड़ना पड़ता था। इसके बारे में भारतीय सैनिकों में अफवाह फैली कि इसके कारतूस पर **सुअर व गाय की चर्बी** लगी होती है जिससे हिन्दू और मुस्लिम सैनिकों का धर्म भ्रष्ट होता है। बैरकपुर की सैनिक छावनी में मंगल पाण्डे के नेतृत्व में सैनिकों ने राइफल का प्रयोग करने से मना कर दिया। मंगल पाण्डे ने गोली चलाकर दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला इसलिए **8 अप्रैल, 1857** को मंगल पाण्डे को फाँसी दी गई।

राजस्थान में 1857 की क्रांति

- सन् 1818 के बाद राजस्थान में ब्रिटिश आधिपत्य स्थापित होने के पश्चात् अंग्रेजों की शोषणकारी नीतियों के फलस्वरूप 1857 ई. तक राजस्थान आर्थिक रूप से कंगाली की हालत में पहुँच गया था। अत: जनसाधारण अंग्रेजों के विरुद्ध आक्रोशित था।

- **क्रान्ति के समय राजपूताना के शासक और पॉलिटिकल एजेन्ट**

रियासत	शासक	पॉलिटिकल एजेन्ट	विशेष विवरण
1. **मेवाड़**	स्वरूप सिंह	मेजर शावर्स	–
2. **मारवाड़**	तख्त सिंह	मैकमोसन	मारा गया
3. **कोटा**	रामसिंह II	बर्टन	मारा गया
4. **जयपुर**	रामसिंह	कर्नल ईडन	–
5. **भरतपुर**	जसवंतसिंह	मेजर मॉरीसन	–
6. **सिरोही**	शिवसिंह	जे.डी. हॉल	–

- 29 **मार्च**, 1857 को **मंगल पांडे** द्वारा बैरकपुर की छावनी में विद्रोह करने तथा **10 मई 1857** को मेरठ की छावनी से 1857 की क्रांति का बिगुल बजने पर राजस्थान में भी क्रांति का दीप प्रज्वलित हो गया।
- नसीराबाद की छावनी की **15वीं बंगाल नैटिव इंफैन्ट्री** ने